PROF. G. RANGA: In view of the fact that Government have received this information either through press reports or in any other way, that these deaths have occurred due to the injection of penicillin, is it not necessary that Government should investigate whether there is any truth behind this at all and how such calamities can possibly be prevented in future?

RAJKUMARI AMRIT KAUR: With regard to the few deaths that have been reported, in the first instance, I would inform the House that it is the duty of the State Governments to investigate them. They are responsible for any deaths that take place in hospitals under their charge. Medical authorities everywhere are fully alive to the fact that occasionally some human beings might have certain allergies and it is that which in a very small number of cases is responsible for deaths; in other countries also it has happened. It is not as a rule due to any wrong diagnosis on the part of the doctor. It is just due to certain allergic conditions to which the human frame sometimes responds in a particular manner.

DR. D. H. VARIAVA: May I ask if the Health Ministry has received any complaint that the penicillin that is put on the market is often outdated?

RAJKUMARI AMRIT KAUR: No, Sir. I have not received any such complaint. As a matter of fact, almost all our hospitals today are buying penicillin from our own production.

हेल स्क्राइबर ट्रांसमिशन प्रणाली का चालू किया जाना

*६० **श्री नवाबसिंह चौहान : क्या संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन देशों के साथ सरकार हेल् स्क्राइबर ट्रांसमिशन प्रणाली को चालू करना चाहती है तथा किस तरह और कब तक यह प्रणाली चालू हो जायगी; और

(ख) क्या देश के आन्तरिक व्यवहार के लिए भी सरकार इस प्रणाली को काम में लाना चाहती है; यदि हां, तो तत्सम्बन्धी योजना का विवरण क्या है ?

†[INTRODUCTION OF HELLSCHREIBER TRANSMISSION SYSTEM

*60. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the names of countries with which Government propose to introduce the Hellschreiber transmission system and the manner in which and the time by when this system will be introduced; and

(b) whether Government propose to utilise this system for inland transmissions also; if so, what are the details of the scheme?]

प्राकृतिक ससाधन मंत्री (श्री के० डी० मालवीय) : (क) और (ख). प्रेस ट्रस्ट आफ इण्डिया की ओर से केवल लन्दन का ग्लोब राइटर वितन्तु समाचार प्राप्त करने के लिये हेलस्क्राइबर पारेषण प्रणाली का व्यवहार करता है। अभी तक इस प्रणाली को आन्तरिक या विदेशी तार सेवाओं में चालू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

†[THE MINISTER FOR NATURAL RESOURCES (SHRI K. D. MALAVIYA): (a) and (b). The Hellschreiber transmission system is used at present only for the reception of wireless newscasts from Globe Reuter, London, on behalf of the Press Trust of India. There is, however, no proposal to introduce this system either in the inland or external telegraph services.

SHRI R. U. AGNIBHOJ: What is this Hellschreiber transmission system?

AN HON. MEMBER: Nothing to do with Hell.

SHRI K D. MALAVIYA: As far as I have been able to understand in the last 24 hours, the Hellschreiber system is one of the forms of transmitting telegraphic messages. Just as there is a Morse system and there is a Baudot system, similarly there is this Hellschreiber system of transmitting message through wireless.

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या माननीय मंत्री जी को मालूम है कि इस प्रणाली की एक्टिविटीज के बारे में जो यह पुस्तिका छपी

† English translation.

है, इसमें लिखा गया है कि बम्बई में इसके ऊपर परीक्षण किया गया है और यह कि "the system will be introduced as a regular measure shortly". आप कहते हैं कि कोई इरादा नहीं है। तो क्या मंत्री महोदय इस बारे में प्रकाश डालेंगे कि सरकारी प्रकाशन में इस तरह से क्यों दिया गया है?

श्री के० डी० मालवीय : जहां तक मुझे मालूम है, यह प्रणाली यहां पर इस्तेमाल नहीं की जा रही है और न ऐसा करने का कोई प्रस्ताव है। यह सिर्फ ग्लोब राइटर जो लंदन की (Service) है उसकी मेसेजेज के ट्रांसमिशन के लिए है और खाली यही अभी कार्यक्रम में है। अभी अंतिम रूप से यह प्रणाली स्वीकार बिल्कुल नहीं की जा रही है। इससे बेहतर और भी कई प्रणालियां मालूम हुई है जो कांटीनेंट में चालू है और उन सभी पर गौर किया जा रहा है। शायद उससे अच्छी प्रणाली को हम स्वीकार करें।

श्री नवाबसिंह चौहान : मेरा मकसद यह नहीं था। मैं इस बारे में पूछ रहा था कि इसमें जो यह लिखा है कि "the system will be introduced as a regular measure shortly". इसका क्या मतलब हुआ?

SHRI K. D. MALAVIYA: I will draw the attention of the Communications Ministry to the observations made by the hon. Member.

भारत तथा विदेशी जहाजों के बीच रेडियो टेलीफोन द्वारा सम्पर्क

*६१. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन उन्नीस जहाजों के नाम क्या हैं जिनका भारत से रेडियो टेलीफोन द्वारा सम्पर्क रहता है, उनमें से कौन-कौन किस किस देश के हैं तथा कितने उनमें सरकारी और कितने गैर-सरकारी हैं; और

(ख) क्या ये रेडियो टेलीफोन केवल इन्हीं जहाजों के इस्तेमाल के लिये हैं या सार्वजनिक कार्यों के लिये भी उनका उपयोग किया जा सकता है?

†[RADIO TELEPHONE CONNECTIONS BETWEEN INDIA AND FOREIGN SHIPS

*61. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN; Will the Minister for COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) the names of nineteen ships which maintain contact with India on radio telephone, the names of the countries to which each of them belongs and the number of those amongst them that are State-owned and privately owned ; and

(b) whether these radio telephones are meant for the exclusive use of these ships or they can also be utilised for public purposes ?]

प्राकृतिक संसाधन मंत्री (श्री के० डी० मालवीय): (क) सभा पटल पर एक विवरण पत्र रखा जाता है, जिसमें उन तेईस जहाजों के नाम, जो रेडियो टेलीफोन द्वारा भारत से सम्पर्क रख सकते हैं और उन देशों के नाम, जिनके कि ये जहाज हैं, दिये गये हैं। ये सब जहाज गैर-सरकारी हैं। (देखिये परिशिष्ट १४, अनुपत्र संख्या ३)

(ख) इन जहाजों में जो रेडियो टेलीफोन पद्धति है, वह केवल जहाजों के ही प्रयोग के लिये नही है वरन् उसे जनता के प्रयोजनों के लिये भी काम में लाया जा सकता है।

†[THE MINISTER FOR NATURAL RESOURCES (SHRI K. D. MALAVIYA): (a) A statement giving the names of twenty-three ships which can maintain contact with India on radio telephone and the names of the countries to which each of them belongs, is laid on the Table of the Sabha. All those ships are privately owned. (*See* Appendix XIV, Annexure No. 3.)

(b) The radio telephone system in these ships is not meant for the exclusive use of the ships and can also be utilized for public purposes.]

श्री नवाबसिंह चौहान : यह जो विवरण सभा पटल पर रखा गया है, इसमें २३ जहाजों के नाम हैं जो कि सब विदेशी हैं। इसमें किसी देशी जहाज का नाम नहीं है। क्या माननीय मंत्री इसका कारण बतला सकते हैं कि हमारे भारतीय जहाज को यह सुविधा क्यों कर प्राप्त नहीं है?

† English translation.